**अतारांकित प्रश्न संख्या 4627**

**22 दिसम्बर, 2014 को उत्तर के लिए**

**विदेश में सरकारी इस्पात उपक्रमों द्वारा खनन कार्य**

**4627. डॉ. भारतीबेन डी. श्यालः**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या कतिपय सरकारी इस्पात कंपनियां मोजांबिक सहित अन्य देशों में खनन कार्य कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी देश-वार और सरकारी उपक्रम-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान इन कंपनियों द्वारा विदेश में किए गए कार्य का देश-वार और सरकारी उपक्रम-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) इन सरकारी उपक्रमों का विदेश में कार्य-निष्पादन सुधारने और व्यापार बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या सुधारकारी कदम उठाए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**इस्पात और खान राज्य मंत्री** **श्री विष्णु देव साय**

(क)और(ख): जी हां। इंटरनेशनल कोल बेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (आईसीवीएल) जो कि एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, ने इस्पात कंपनियों के लिए कोकिंग कोल की दीर्घकालीन आपूर्ति सुनिश्चित करने की दृष्टि से मोजाम्बिक में एक प्रचालनाधीन कोयला खान और ग्रीन फील्ड कोयला संपत्तियां दिनांक 07.10.2014 को अधिग्रहीत की है। इस अधिग्रहण का वित्त पोषण आईसीवीएल में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), नेशनल मिनिरल डेवेलपमेंट कार्पोरेशन (एनएमडीसी) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के समान योगदान से किया गया है। कोयला खान में मेटालर्जिकल कोकिंग कोल का उत्पादन होता है, जिसका उपयोग इस्पात कंपनियों द्वारा कच्चे माल के रूप में किया जाता है। वर्तमान में सेल और आरआईएनएल कोकिंग कोल के प्रमुख उपभोक्ता हैं।

(ग)और(घ): इस तथ्य के मद्देनजर कि आईसीवीएल द्वारा खानों का अधिग्रहण दिनांक 7.10.2014 को ही किया गया है, प्रश्न नहीं उठता।

*****